+4 से +5 साल तक

शब्द अभ्यास

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

शब्द अभ्यास

(कक्षा-यू.के.जी.)

डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति

चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055

समन्वयक
डॉ. निशा पेशिन

सहायक
अरूणा मल्होत्रा
अलका नांगिया

प्रकाशक:
डी.ए.वी. प्रकाशन विभाग
डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति
चित्रगुप्त मार्ग, नई दिल्ली-110055
दूरभाष: 11-23503500, ई-मेल: dav.publication@davcmc.net.in

संशोधित संस्करण: जनवरी, 2006
पुनर्मुद्रण: जनवरी, 2023

महत्त्वपूर्ण सूचना

यह पुस्तक केवल डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति, नई दिल्ली द्वारा प्रबन्धित एवं नियंत्रित विद्यालयों में वितरण हेतु प्रकाशित की गई है।

सर्वाधिकार सुरक्षित

- प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इस प्रकाशन के किसी भी भाग को छापना तथा इलैक्ट्रॉनिकी, मशीनी, फोटोप्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग अथवा किसी अन्य विधि से पुन: प्रयोग पद्धति द्वारा उसका संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है।
- इस पुस्तक का वितरण मूल आवरण में ही किया जाएगा।
- इस प्रकाशन का सही मूल्य इस पृष्ठ पर मुद्रित है। रबड़ की मुहर अथवा चिपकाई गई पर्ची (स्टीकर) या किसी अन्य विधि द्वारा अंकित कोई भी संशोधित मूल्य गलत है तथा मान्य नहीं होगा।

कला एवं चित्रांकन:
भागीरथी आर्ट स्टूडियो

शब्द-संयोजन:
क्वालिटी प्रिंटर्स
नवीन शाहदरा, दिल्ली।

मुद्रक:
इन्टरनेशनल प्रिन्ट-ओ-पैक लिमिटेड, नोएडा (उत्तर प्रदेश)

मूल्य: ₹ 60.00

प्राक्कथन

डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री समिति ने पूर्व-प्राथमिक श्रेणी के लिए एक पाठ्यक्रम का निर्माण करने का नवपरिवर्तन लाने वाला कदम उठाया है। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल छोटे बच्चों के पूरे विकास के लिए एक विशेष प्रकार का शैक्षिक अनुभव प्रस्तुत करते हैं। इसका उद्देश्य है एक ऐसे विस्तृत शिक्षण आधार को बनाना जिसमें पूर्व-प्राथमिक कक्षा में पढ़ने वाले बच्चे प्राथमिक शिक्षा के लिए तैयार हो जाए। इस पाठ्यक्रम की रूपरेखा इस तरह निर्धारित की गई है कि बच्चों का शारीरिक, सामाजिक, संवेगात्मक तथा मानसिक विकास व विस्तार हो जाए।

क्रिया से सीखना और क्रीड़ा विधि ही ऐसी विश्व प्रमाणित प्रणालियाँ हैं जिनके द्वारा अध्यापक बच्चों को सीखने और विकसित होने में सहायता करता है। इसलिए इन पद्धतियों के आधार पर यह मानना आवश्यक है कि पुस्तकों का प्रयोग जितना हो सके कम किया जाए। परंतु उन सब अभावों और मुश्किलों को, जो कि हमारे देश के दूर-दूर स्थानों में स्थित पाठशालाओं में हैं, दृष्टि में रखकर यह आवश्यक है कि हम अपने अध्यापक के हाथ में कुछ शिक्षण-सामग्री रखें ताकि इस पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्राप्त किया जाए। ये पुस्तकें इस पाठ्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए केवल एक प्रकार के उपकरण या साधन हैं। इसलिए ये पाठ्य-पुस्तकें नए पाठ्यक्रम पर आधारित ऐसे अनुदेशात्मक वस्तु हैं जो कि अध्यापक का मार्गदर्शन करें और छात्रों की योग्यताएँ और क्षमताएँ विकसित करें।

इन पाठ्य-पुस्तकों की बाह्य सज्जा और आरूप, अनुभवी अध्यापकों की एक कमेटी और पाठ्यक्रम की उप-समिति में कई बैठकों के पश्चात् बनाया गया। मैं उन सबका आभारी हूँ।

मैं अपने अध्यापकों और अभिभावकों से इस पुस्तक के बारे में उनके सुझावों की प्रतीक्षा करूँगा ताकि इन पुस्तकों को अपने बच्चों के लिए और लाभदायक बनाया जाए।

निदेशक, प्रकाशन

शिक्षकों से

इस अभ्यास-पुस्तिका का अध्यापन मुख्य पाठ्य-पुस्तक के साथ-साथ करवाने से छात्रों की संकल्पनाओं के उचित विकास में सहायता मिलती है। बालकों के ध्यान को आकर्षित करने का प्रयास ही हमारी प्राथमिकता रही है। उनकी रुचि व अवस्था को समझते हुए विभिन्न खेलों द्वारा लिखने का अभ्यास कराने का प्रयत्न मात्र ही हमारा उद्देश्य है। शिक्षक-शिक्षिकाओं से विशेष अनुरोध है कि वे अपनी मौलिक परिकल्पनाओं का प्रयोग अवश्य करें।

दिए गए अभ्यासों को हल करवाते समय छात्रों को पहले चित्र पहचानने के लिए कहिए। तत्पश्चात् सही उत्तर के पहले अक्षर पर ध्यान केंद्रित करवाइए।

डॉ. निशा पेशिन

निदेशक (शैक्षिक)

व्यंजन गीत

आइए मिलकर गाएँ।

क – केला तोड़ा माली ने

ख – खीरा रखा थाली में

ग – गमले में फूल उगाना

घ – घड़ी सुनाए टिक-टिक गाना

ङ – ङ को घ के बाद है आना।

च – चम्मच से हम खाना खाते

छ – छाता लेकर धूप में जाते

ज – जहाज़ पानी में चलता

झ – झंडा ऊँचा लहराता

ञ – ञ को नाक से बोला जाता।

ट – टमाटर में है लाली

ठ – ठेला भरकर लाया माली

ड – डमरू बाजे डम-डम-डम

ढ – ढोलक बाजे ढम-ढम-ढम

ण – ण को बुलाओ दम-दम-दम।

त – ताला है दरवाज़े पर

थ – थरमस लेकर अंदर आना

द – दस-मुख वाला रावण आया

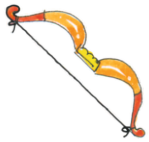

ध – धनुष-बाण से मार गिराया

न – नदी किनारे तोता आया।

प – पत्ते झूल रहे डाली पर

फ – फूल खिले हैं कितने सुंदर

ब – बस पर चढ़कर मोहन आया

भ – भालू वाला भालू लाया

म – मोर ने सुंदर नाच दिखाया।

य – योगी बैठा यज्ञ करता

र – रथ का पहिया चलता रहता

ल – लाठी लेकर जल्दी आओ

व – वनमानुष को मार भगाओ

श – शहद उठा शीशी में डाला

ष – षटकोण छह कोनों वाला

स – सूरज ने जग को चमकाया

ह – हाथी सूँड़ हिलाता आया।

अध्यापन निर्देश– अध्यापक बच्चों को सुरुचिपूर्ण ढंग से व्यंजन लिखना सीखाने के लिए दिए गए व्यंजन गीत का प्रयोग करें।

स्वर गीत

आइए मिलकर गाएँ।

अ – अचकन लाओ

आ – आम खाओ

इ – इमली खट्टी सबको भाती

ई – ईख खेत में खड़ी सुहाती

उ – उल्लू जागे रात में

ऊ – ऊन लो हाथ में

ए – एक दो

ऐ – ऐनक लो

ओ – ओखली में कूटो धान

औ – औरत बैठी करती काम

अं – अंगुलि में है अँगूठी

अः – अः की जगह है खाली

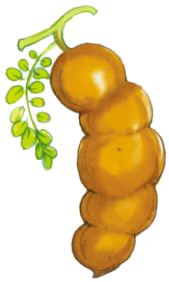

अध्यापन निर्देश– अध्यापक बच्चों को सुरुचिपूर्ण ढंग से स्वर लिखना सीखाने के लिए दिए गए स्वर गीत का प्रयोग करें।

पढ़िए और लिखिए

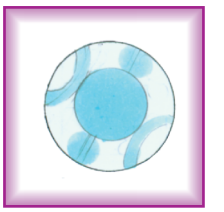

क ख ग घ ङ

क ख ग घ ङ

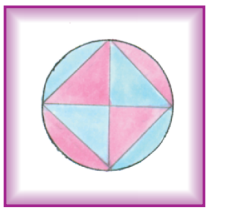

च छ ज झ ञ

च छ ज झ ञ

अध्यापन निर्देश—कक्षा में व्यंजन गीत की पहली दो पक्तियाँ (क से ञ) दोहराने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित कीजिए।

क ख ग घ ङ
च छ ज झ ञ

चित्र पहचानकर पहला अक्षर लिखिए।

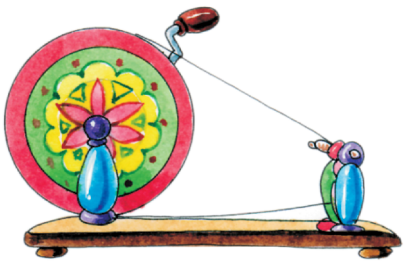

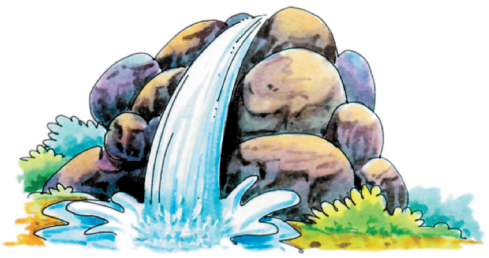

पढ़िए और लिखिए

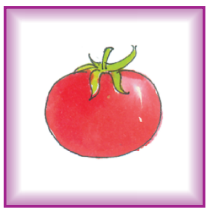
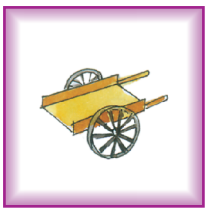

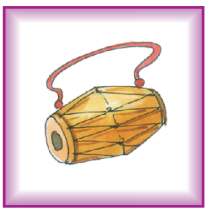
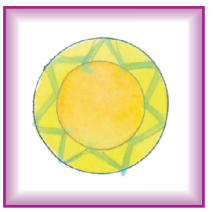

ट ठ ड ढ ण

ट ठ ड ढ ण

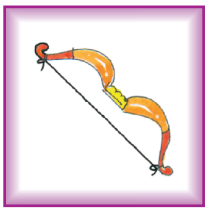

त थ द ध न

त थ द ध न

अध्यापन निर्देश—कक्षा में व्यंजन गीत की तीसरी और चौथी पंक्ति (ट से न) दोहराने के लिए बच्चों को प्रोत्साहित कीजिए।

ट ठ ड ढ ण
त थ द ध न

चित्र पहचानकर पहला अक्षर लिखिए।

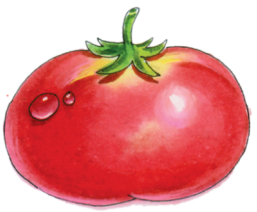

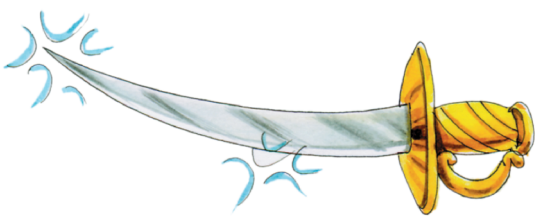

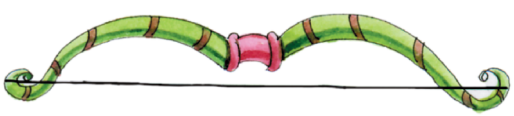

पढ़िए और लिखिए

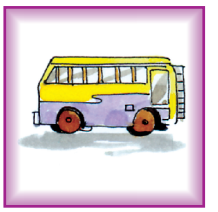

प फ ब भ म

प फ ब भ म

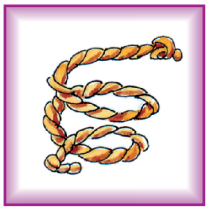
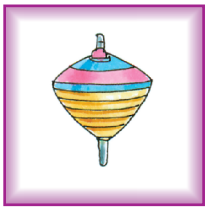

य र ल व

य र ल व

अध्यापन निर्देश—व्यंजन गीत प से व तक दोहराइए और इन्हीं व्यंजनों से कुछ और नए शब्द बनवाइए।

प फ ब भ म
य र ल व

चित्र पहचानकर पहला अक्षर लिखिए।

पढ़िए और लिखिए

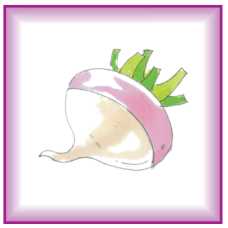
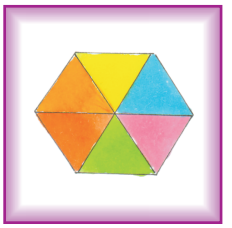
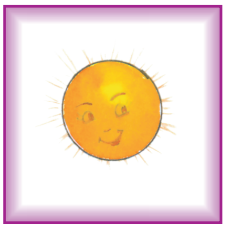

श ष स ह

श ष स ह

आइए रंग भरिए

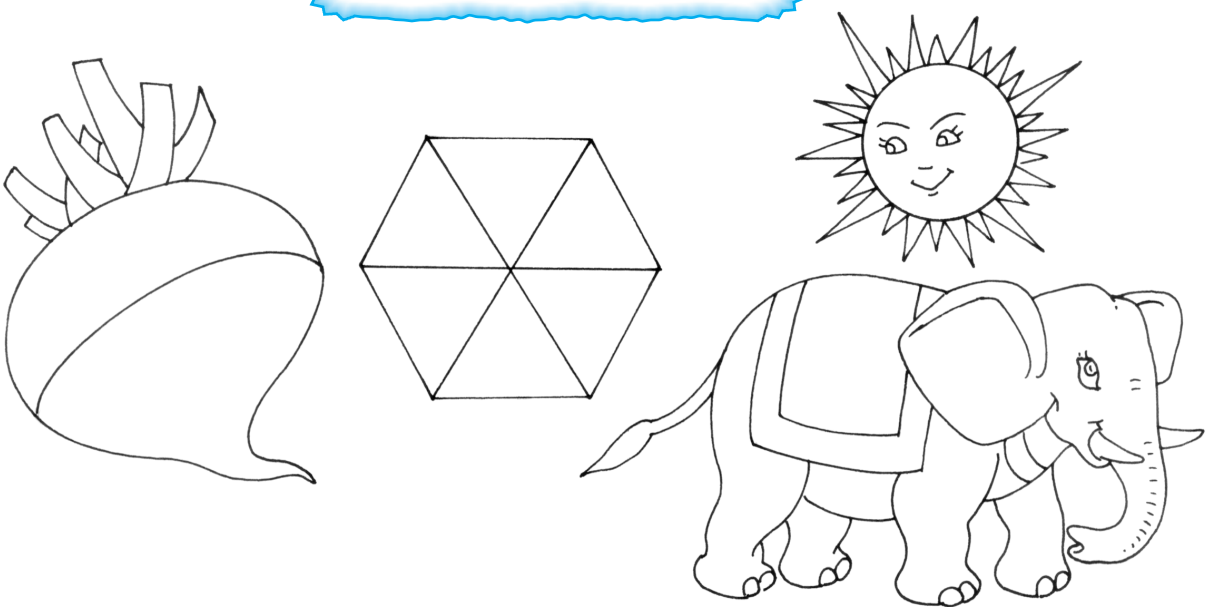

खाली जगह पर ठीक अक्षर लिखिए।

क	ख		घ	
	छ		झ	ञ
ट		ड		ण
त			ध	
	फ		भ	
य		ल		श
ष		ह		

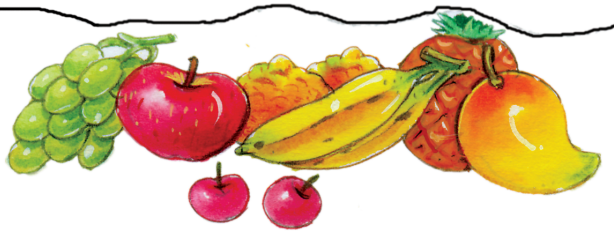

अ से ऊ तक

चित्र को देखकर उसका पहला अक्षर लिखिए।

अध्यापन निर्देश–पहले अक्षर के ज्ञान के लिए संबंधित स्वरों से कुछ और नए शब्द बनवाइए।

ए से अः तक

चित्र को देखकर उसका पहला अक्षर लिखिए।

अध्यापन निर्देश—पहले अक्षर के ज्ञान के लिए संबंधित स्वरों से कुछ और नए शब्द बनवाइए।

पढ़िए और लिखिए

अ		आ	
इ		ई	
उ		ऊ	
ए		ऐ	
ओ		औ	
अं		अः	

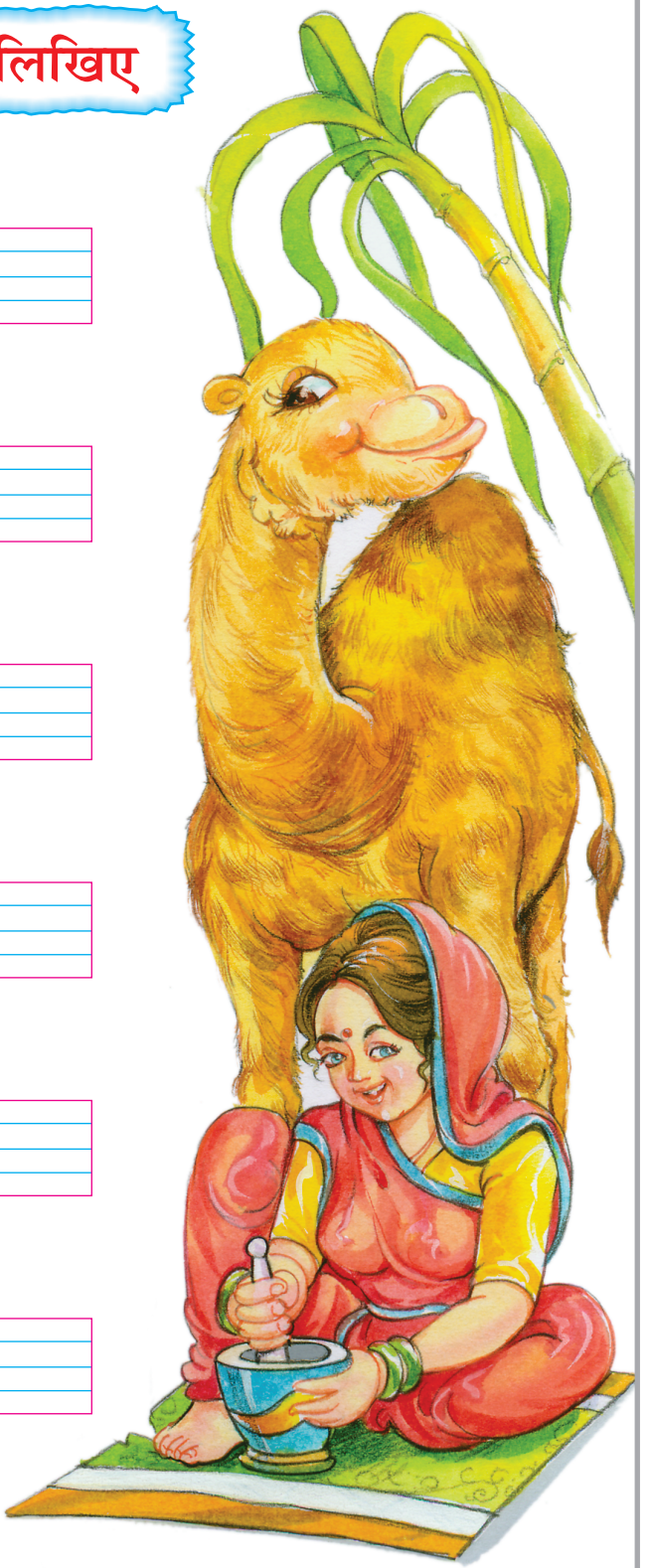

अध्यापन निर्देश–दिए गए स्वरों द्वारा शब्द रचना करवाते हुए स्वर गीत (अ से अः) तक गाइए और दोहराइए।